डा० कोटा श्री रामशास्त्री
निदेशक

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान,
रूड़की-247667(उत्तरांचल)

संदेश

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि हर वर्ष की भॉति इस वर्ष भी संस्थान हिन्दी पत्रिका "प्रवाहिनी" का प्रकाशन कर रहा है।

राष्ट्र को एक मंच पर लाने और स्वाधीनता का स्तर एक साथ मिलकर उठाने में हिन्दी की अहम् भूमिका रही है। इस प्रयास में अहिन्दी भाषी प्रदेशों का भी विशेष योगदान रहा है। तकनीकी एवं वैज्ञानिक क्षेत्र मे भी हिन्दी में रचनात्मक कार्य करना सम्भव है, अब यह व्यापक रूप से स्वीकार किया जा रहा है। आज देश में सूचना प्राद्यौगिकी के क्षेत्र में बढ़ते कदमों के साथ ही हमें हिन्दी का चहुँमुखी विकास करना होगा।

अतः हम सभी को राजभाषा हिन्दी के विकास और उत्थान में अपना पूर्ण योगदान देना है। मैं सम्पादक मंडल का पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिये अभिनन्दन करता हूँ एवं आशा करता हूँ कि अन्य अंकों की भाँति यह अंक भी पाठको की रूचि के अनुरूप होगा और राष्ट्र भाषा के विकास में सहायक सिद्ध होगा।

(कोटा श्री रामशास्त्री)